**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 2578**

**19मार्च, 2018 को उत्तर के लिए**

**राफेल विमानों की जीवन चक्र लागत**

**2578. श्री वायालार रवि :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

1. क्या यह सच है कि पिछली सरकार द्वारा फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमान आयात करने के लिए प्रारंभिक कीमत तय करने संबंधी बातचीत इस विमान की जीवन चक्र लागत के आधार पर की गई थी;
2. क्या वर्तमान सरकार ने फ्रांस से खरीदे गए इस विमान की जीवन चक्र लागत की गणना कर ली है;
3. यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
4. क्या इस समझौते के तहत प्रौद्योगिकी अंतरण के लिए भी कोई प्रावधान है; और
5. यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो विलंब के क्या कारण हैं ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क) से (ग): मध्यम बहुभूमिका वाले युद्धक विमान (एमएमआरसीए) के लिए वर्ष 2007 में जारी प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) 126 विमानों की अधिप्राप्ति के लिए था, जिनमें 108 विमानों का भारत में लाइसेंस युक्त विनिर्माण किया जाना था और यह अधिग्रहण की कुल लागत पर आधारित था। वर्तमान मामला एक अंतर-सरकारी अनुबंध (आईजीए) के तहत भारत सरकार और फ्रांस गणराज्य की सरकार के मध्य डायरेक्ट फ्लाई अवे स्थिति में 36 राफेल विमान की अधिप्राप्ति के लिए है। 36 राफेल विमानों की तुलना प्रत्यक्ष रूप से एमएमआरसीए की कीमत से नहीं की जा सकती, क्योंकि इन दोनों में महत्वपूर्ण अंतर है।

(घ) से (ङ): 36 राफेल ऑफसेट संविदा में प्रौद्योगिकी अंतरण में निवेश और/अथवा अर्हक उत्पादों और सेवाओं का अनुरक्षण शामिल है। 36 राफेल आईजीए में ऑफसेट की मात्रा 50% है।

\*\*\*\*\*